



www.vnrseeds.com



Ameena Papaya

Photo Credit: Kush Royat

IN THIS ISSUE

- ❖ Editorial
- ❖ VNRites Zone
- ❖ Media

- ❖ Event
- ❖ VNR Nursery
- ❖ Farmer Success Story

- ❖ Knowledge Zone
- ❖ Promotions

Dear Reader,

Let's start with a question for us to mull upon, can you recollect any small change that has made a big difference? Well, we have one answer to share with you for this quarter. The researchers at VNR after selecting a papaya type with a specific genetic makeup i.e. selection of a hermaphrodite type, were able to transform the present form of landscape into a profit yielding green papaya field of Ameena. Easier said than done, however after years of research Ameena is now a new papaya variety developed at VNR. In addition, this variety is now specially groomed by an All Women Group in Bastar who carefully nurture the plants till maturity and book good profit in off season thereby supporting their village as well as families. This is how the modern farming is changing our conventional landscapes, unconventionally. We can't wait to hear your examples on small change for big differences.

As we at VNR strive to make farmer's life better, this quarter we were blessed with the arrival of Lord Ganesha at Corporate Center as well as Deorjhal Plant facility! Good Vibe across the campus and the enthusiastic HR Team activates workaholic souls to do something cheerful. There were numerous competitions, contests and events which were organised throughout the festival and as a result we couldn't just help to dedicate the complete VNRites Zone mentioning about the winners, the participants and their creative work. Amid all the winning trophies we've featured young Bhumee who is keen to plant and maintain her family garden all by herself, and yes, she's a class 2 student at the moment. We hope you'll have a good time with the glimpse of Ganesha festival at VNR. Do write your suggestions and feedback on the section.

There has been a lot happening at VNR and you'll get to read about a few massive recruitment drives, deep dive nursery visits and many interesting and winning photo-collection that can inspire. We look forward to see more of you becoming a part of Impact by participating in various events and sharing your work with us.

Happy Reading!
Impact Editorial Team



VNR Welcomes Lord Ganesha



The festival that marks the beginning of all other festivals in India - Ganesh Chaturthi, has always been celebrated religiously every year at Corporate Centre and for this year, Bappa also arrived at our Deorjhal plant. At VNR, we didn't back down even during pandemic and VNRites just can't go without the presence of lord Ganesha. With utmost care and precautions, just like the last year, VNRites arranged a beautiful scenic decoration and commenced daily prayers to the lord twice a day. Over these 9 days, everyday began with the chants of 'Ganpati Bappa

Morya'. VNRites yet again demonstrated their dedication to the lord along with a sense of awareness showing how it all can be accomplished, even during the most sensitive time the world has been facing from past few years. As customary, along with the festival rituals there were many competitions, celebrations and games held throughout these 9 days. We've dedicated the whole VNRite Zone for you (almost), to get a glimpse of how wonderfully the Ganesh celebrations took place this year. Ganpati Bappa Morya! Agle Baras tu jaldi aa!

Joining & Orientation Program @ Dhamtari, CG



The HR Team conducted onboarding activities and orientation program at Dhamtari on 8th September 2021 for the production team, in presence of Mr. Sujeet Singh, Manager Production. There were about 27 new joiners from various parts of Central India at Dhamtari, CG. This program was facilitated by Ms. Sheetal Dewangan and Ms. Shikha Khadka from HR. The new joiners were briefed about the company, HR Policies and benefits.

Online Group Induction Program

The Quarterly Online GIP was held from 5th to 7th August, 2021 for the new joiners at VNR Seeds. 63 new joiners from different states of India attended the online induction program from their respective locations. The aim of the induction program was to give an orientation on the company's policies, functions and other related information by the top leadership team, respective Heads of the departments or senior managers. Owing to the Pandemic, the GIP was scheduled as an online meetup so the new joiners can attend it from the comfort of their home or VNR work locations in their city and can sort out their doubts and queries right away with the HR as well as the Management Team.



ये लछानी नाग कौन हैं? और पपीते के बारे में लिखे जाने वाले एक लेख में उनके बारे में बात क्यों की जा रही है?

लछानी नाग छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग में गठित "माँ दंतेश्वरी पपीता उत्पादक समिति" नाम के स्वयं सहायता समूह की 43 सदस्यों में से एक सदस्य हैं। जी हाँ, वही बस्तर, जो खेती से ज़्यादा अपने झरनों और नक्सलियों के लिए मशहूर है। वह अभी कुछ महीने पहले तक एक दिहाड़ी मज़दूर थीं और आज एक मान्यता प्राप्त प्रगतिशील पपीता किसान हैं और उन्हें विश्वास है कि अगले कुछ महीनों में उनकी जिंदगी बदलने वाली है और उसके बाद उन्हें फिर कभी एक दिहाड़ी मज़दूर का जीवन जीने की आवश्यकता नहीं होगी। कभी भी नहीं !

और यह अकेली उनकी कहानी नहीं है। उसके समूह की 42 अन्य महिलाओं की कहानियाँ भी कुछ इतनी ही प्रेरक हैं। तो, वास्तव में क्या हुआ है? और कैसे हुआ है?

लंबी कहानी को अगर संक्षेप में वर्णित किया जाये तो छत्तीसगढ़ राज्य सरकार, ने महिला सशक्तिकरण की मूल भावना से प्रेरित हो कर और ग्राम उत्थान को मूल मंत्र मानते हुए "ग्रामीण विकास के लिए बागवानी" को अपनाने का एक अभिनव प्रयास किया और इसमें संकर पपीते की गाइनोडायसियस प्रजाति - वीएनआर अमीना का उपयोग किया। इस परियोजना के अंतर्गत सरकार इन महिला किसानों को 10 वर्षों के लिए न सिर्फ खेती के लिए ज़मीन बल्कि उसमें पहले वर्ष में लगने वाली समस्त लागत मुहैया करवाएगी। इस सुविधा का उपयोग कर इन खेतों को उन्नत खेती के समस्त संसाधनों - जैसे ड्रिप सिंचाई व्यवस्था, ऑटोमेटेड फर्टिगेशन यन्त्र, वैदर स्टेशन - से सुसज्जित किया गया और इन सुविधाओं के उपयोग करते हुए पपीते की "प्रीसीजन फार्मिंग" करने के लिए इन महिलाओं को 6 महीनों में 24 प्रशिक्षण द्वारा तैयार किया गया।

यह प्रशिक्षण वी एन आर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री विमल चावड़ा के नेतृत्व में उनकी टीम और बस्तर संभाग के प्रगतिशील किसानों के एक संघ द्वारा दिया गया। सच तो यह है कि वी. एन. आर. पपीतों की खेती इन 43 महिला कृषकों के 30 एकर खेतों के अलावा, इस संघ के पच्चीसों प्रगतिशील किसानों के लगभग 100 एकर में और हो रही है, ताकि इन महिलाओं को आश्वासन मिलता रहे कि इस अभिनव प्रयोग में वे अकेली नहीं हैं।

पर पपीता ही क्यों? कोई और फ़सल क्यों नहीं? आइए, ज़रा इसकी पृष्ठभूमि को भी समझने का प्रयास करते हैं।

बस्तर की पथरीली और बंजर भूमि में, पहली बार खेती करने वाली ऐसी महिलायें, जो हाल फिलहाल तक हमारी कहानी की नायिका लछानी नाग की तरह ही दिहाड़ी मज़दूर थीं, द्वारा, वीएनआर पपीतों की प्रीसीजन फार्मिंग की गई और उनकी फ़सल जुलाई माह से टूट कर विभिन्न मंडियों में पहुँच रही है। यह तुड़ाई अभी अगली जुलाई तक चलने और फ़सल खत्म होने तक 70 से 80 टन कुल पैदावार मिलने की उम्मीद की जा रही है। अगर इन फलों को 12 रूपए प्रति किलो का भी औसत भाव मिला तब भी इन महिला किसानों को

कुल 8 - 10 लाख रूपए की आमदनी हो सकने की सम्भावना है। याद रहे, उनके पहले वर्ष की सारी लागत सरकार के ज़िम्मे और फ़सल के दाम उनके हिस्से !! कोई भी दूसरी फ़सल इन महिलाओं की इतने कम समय में इतनी समृद्धि नहीं दे सकती थी।

इसलिए कोई दूसरी फ़सल नहीं, सिर्फ़ पपीता! वो भी वी एन आर का, क्योंकि यह सत्य अब स्थापित चुका है कि आज बाज़ार में उपलब्ध समस्त प्रजातियों से वी. एन. आर. की प्रजातियाँ श्रेष्ठ हैं।

आइए, - वीएनआर पपीते के बारे में कुछ और बात करते हैं।

पपीते की दो मूल प्रकार की किस्में होती हैं - पहली - 'डायोसियस' - जो अलग-अलग नर और मादा पौधे पैदा करती हैं और दूसरी - 'गाइनोडायसियस' - जो लगभग समान अनुपात में मादा और द्विलिंगी पौधों का उत्पादन करती हैं। बाज़ार द्विलिंगी फ़लों को ज़्यादा पसंद करता है। पपीते के द्विलिंगी फ़ल छोटे और लम्बे आकार के, पतली बीज की नली के साथ मोटे गूदे, वज़न दार और अधिक मीठे होते हैं। इसके विपरीत मादा फ़ल ज़्यादा बड़े, गोलाकार, बड़ी बीज गुहा और कम मिठास वाले होते हैं। एक सामान आकार के से दिखने वाले द्विलिंगी फ़ल का वजन मादा फ़ल के मुकाबले ज़्यादा होता है। डायोसियस किस्में आज देश में पपीते के कुल क्षेत्रफल के 10 प्रतिशत से भी कम पर लगी होने का अनुमान है। आज अनेक संकर पपीते की गाइनोडायसियस किस्में उपलब्ध हैं और इनमें से अधिकांश किस्में ताइवान और थाईलैंड जैसे देशों से आयात की जाती हैं और बाज़ार पर पूरी तरह से हावी हैं।

डॉ. नारायण चावड़ा, वी एन आर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और संरक्षक होने के साथ साथ एक कुशल फ़ल एवं सब्ज़ी प्रजनक भी हैं जिनको उच्च उपज देने वाली विभिन्न सब्ज़ियों और फ़लों की 200 से अधिक किस्मों और संकरों के विकास का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने स्वदेशी गाइनोडायसियस पपीता संकर प्रजाति विकसित करने को एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया और उनके दृढ़ संकल्प और बीस वर्षों के अथक प्रयास के फलस्वरूप वी एन आर अमीना, वी एन आर शबनम और वी एन आर विनायक आज हमारे समक्ष प्रस्तुत हैं।



वी एन आर अमीना, वी एन आर शबनम और वी एन आर विनायक काट कर खाने के लिए उत्कृष्ट प्रजातियाँ हैं। इन तीनों के मादा और द्विलिंगी, दोनों ही फ़ल थोड़े लम्बे से आकार के हैं, हालांकि इनमें थोड़े मोड़े अंतर ज़रूर देखे जा सकते हैं। ये फ़ल मात्र 1 - 1.5 कि.ग्रा औसत वज़न वाले हैं जिनको आज कल के छोटे परिवार हाथो हाथ लेते हैं। इनकी बाहरी त्वचा मोटी है जो इनको खेतों से कस्बों और दूर शहरों तक परिवहन के योग्य बनती है। पुराने ज़माने के देसी पपीते के स्वाद की याद ताज़ा कर देने वाले इनके फ़ल बाज़ार में मिलने वाले अन्य सभी फ़लों से कहीं ज़्यादा मीठे हैं और खाने में नरम हैं। इनका गूदा आकर्षक नारंगी रंग का है जो देखने में बहुत अच्छा लगता है। फ़ल को काटने पर हमें बीज की नली बेहद पतली और गूदा काफ़ी मोटा मिलता है जो इनके छोटे आकार के फ़लों को भी भारी बना देता है और इस प्रकार किसानों को प्रति पौधे मिलने वाली उपज को भी बढ़ा देता है।

आज बस्तर में इन वी एन आर पपीते के खेतों को देखने दूसरे गांवों के लोग आते हैं। बस्तर की इन महिला किसानों में से अगर आप किसी से मिलें और पूछें कि उनका क्या कहना है, तो उनके पास एक ही ज़वाब है- आमचो ज़िन्दिगी बदले से- हमारी ज़िन्दिगी बदल रही है!

VNR Nutan



Product Features

- Early Hybrid, First harvest: 50-55 Days
- Fruit Colour: Dark Green
- Fruit Length: 8-9 cm
- Fruit Width: 0.9-1 cm
- Tough fruit, good for transportation
- LCV Tolerant
- Attractive Dark Green color fetching good Mandi price

Product Features

- First harvest: 55-60 Days
- Oblong shaped, Green colour fruit
- Fruit Length: 12-15 cm
- Fruit Width: 8-10 cm
- Fruit Weight: 200-300 gm
- Good in taste, glossy fruits
- Good shelf life and shipping
- Good Crop longevity
- Good Market acceptance due to its attractive long green calyx

RG Green



Product Features

- First harvest: 48-53 Days
- Fruit Colour: Light Green
- Fruit Length: 12-14 cm
- Fruit Width: 1.2-1.4 cm
- Medium Early hybrid with high yield potential
- Glossy fruit, good plant canopy
- LCV & PM Tolerant

VNR 286



Photography Contest Winners

Theme: ' Monsoon', on occasion of World Photography Day 2021 celebrated across world on 19th August 2021.

Winner



Mr. Devesh Shukla, Business Head, Nursery

Consolation



Mr. Yogesh Arun Shinde, R&D

Photography Contest Judge



Mr. Ashutosh Mishra
A photography veteran with a journey of over two decades with lenses and subjects. Ventured into production house Abalone Films and directed over 30 advertisements. He has filmed many government projects based on social, cultural and rural landscapes of Chhattisgarh. Also an avid teacher in the field of photography serving to student community from last 5 years.

1st Runner Up



Mr. Dibakar Das, Sales

2nd Runner Up



Mr. Anuj Kumar, R&D

Quiz winner



Mr. Rahul Kumar Sahu, Marketing

Love for Plantation!



Bhume studying in class-II, is a budding gardener who enjoys planting trees at home. She has already planted many variety of plants on her own. We appreciate her love for nature at this age. We hope in coming years her effort towards spreading greenery at home will yield benefits for her family and neighbourhood with pure breathing air and a lovely green garden!

Miss. Bhume Gautam d/o Mr. Bhupendra Gautam, Sales

Ganeshha Celebration@ VNR



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभा
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

VNRites decided to go for it. The Ganeshha Celebration was programmed for everyday. There was a theme for each of these days, there were activities, competitions and last but not the least... huge participation!



Along with the fun events like Idol making, Cup Cake decoration, Karaoke, Treasure Hunt and many more, there was an everyday online contest which was opened for all VNRites across India. The judges invited were experts in the related field making the competition much tougher to win.



With the celebration stretched to so many days, there could've been nothing better than a VIBGYOR theme and remaining days were decided for Black & White and a VNR Shirt day.



VNRites Zone

Day-6 Yellow/ Orange Day @ RO and Deorihal



There were even more surprises which were only to unfold during an ongoing event. So in short, there were more prizes and even more winners what the programs series really promised on the daily emails. But it did not end here. There were a few unplanned surprises too with many impromptu performances which almost shocked everyone in delight!

The series of events brought together the spirit of VNR and the VNRites readily absorbed-in the good vibes of the festive. Participants ended up like as a team, teams ended up like friends and the planners of this whole series of events deserves a round of applause!

Day-7 Red/ Maroon Day



Cultural Evening @ RO



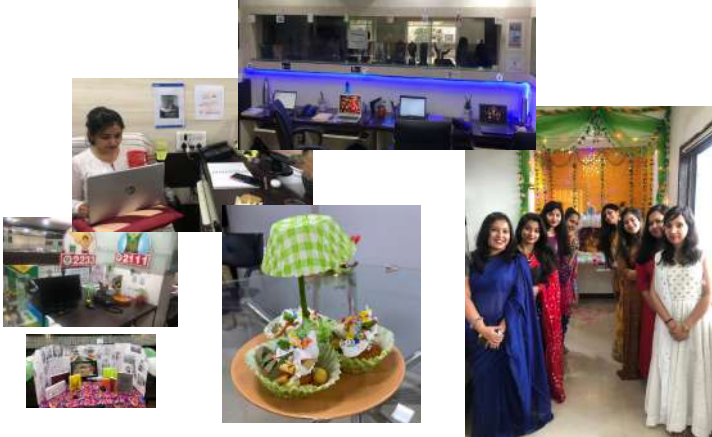
On the very last day the team of Corporate Center got together for Ganesh Visarjan. With great enthusiasm and loud cheers we bade goodbye to the lord Ganesh wishing each other for a prosperous year and requesting the Lord for his Quick Comeback.



Glimpses of Ganesh Visarjan



Wait! We've dedicated a whole page on the winning faces of various competition. Read on to the next page which is our e-Wall of Fame!



Wall of Fame @ Ganesh Eve 2021



Treasure Hunt

Winner- Team 4

Mr. Ajay Kumar Dewangan (IT),
Ms. Rajshree (Marketing),
Mr. Alok Kanungo (Admin),
Ms. Varsha Sahu (Admin),
Mr. Rahul Sinha (IT)

Treasure Hunt

1st Runner Up- Team 1

Mr. Sandeep Kumar Dewangan (IT),
Mr. Samrat Gupta (Logistics),
Ms. Megha Soni (Admin),
Ms. Anamika Majumdar (Nursery),
Ms. Payal Agrawal (Admin)

Treasure Hunt

2nd Runner Up- Team 2

Mr. Tarun Kumar Sahu (IT),
Ms. Nivedita Paul (Admin),
Ms. Diksha Singh (Marketing),
Ms. Unnata Bargo (Admin)



Treasure Hunt

Consolation- Team 3

Ms. Shikha Khadka (HR),
Mr. Priya Darshan Dewan (Nursery)
Mr. Love Kumar (Logistics),
Mr. Gaurav Rathod (Finance)

Karaoke Singing

Best Performers

Ms. Shikha Khadka (HR),
Ms. Rajshree (Marketing),
Ms. Megha Soni (Admin)

Cultural Evening Performers

Mr. Durgendra Pratap Singh (Sales),
Ms. Varsha Sahu (Admin),
Ms. Ruchi (Marketing),
Mr. Rohit & Mr. Priyadarshan (Nursery),
Mr. Navin Agrawal (IT)
Ms. Sheetal Dewangan (HR)



Online Competition

Theme- "Jumble the words"

Ms. Supriya Singh, R&D
Mr. Amit Thakur, PD



Online Competition

Theme- "Guess Cities"

Mr. Deepak Sharma, Sales
Mr. Vikas Kumar, Sales



Selfie Contest Winner

Mr. Sunil Vasudev Kalaskar, Processing



Selfie Contest Winner

Mr. Kamal Kumar Singh, Sales



Main Event Organiser

Ms. Arushi Dutta, HR



Online Competition Theme-"बूझो तौ जाने"

Mr. Vineet Kumar Shakya, Sales
Mr. Akash Singh, Sales
Mr. Debabrata Moharana, Sales
Ms. Anamikaa Majumdar, Nursery

Shayari Winner



1. MANJUNATH PALOTI (R&D)-
VNR ki team hai hasi masti...
Kabhi na lena hamko sasti...
Madhur Bihi ka swad Aay haaye.....
naam pucho to mera...Manju Bhai...



Shayari Winner

2. SATYARANJAN MURMU (SALES)

Mitti se bana mera tan, Masti se bhara mera mann. Satya hai mera naam, aur Satya ki raah par chalne ki koshish karta hu har chann. Shahar se hu kafi dur, Yaha bas dikhte hain Nadiyan aur Wan. Mitti aur kheti se juda hua hoon, yahi to hai VNR ka jeevan."

Poets of VNR

(Shayari Rules: Use of 'VNR', 'Self Name' and 'Masti')

Kuchh Khoye Bina Dharam Pal Ne Paya Hai,
Kuchh Mange Bina VNR Company Se Mila Hai,
Naaz Hai Hame Takdir Par, Jisne Aap Jaisi VNR Company Se Milaya Hai.
Mr. Dharam Pal, Production

मस्ती में रहकर चलो दिलदार चले हम।
छोटी सी है जिंदगी, चलो रिश्तों को सवार चले हम ॥
जीवन को खुशाल बनाना है, घर आंगन को महकाना है।
तो चलो योगेश के संग वीएनआर चले हम ॥
Mr. Yogesh Sahu, Finance

"Cricket Main Rohit ek Hasti hai
VNR Main har pal hoti Masti hai"
"Maat ho itna udaas Rohit.
Har koi yha ho jata hai Mohit..
Yha har din hoti Masti hai.
VNR Parivar main badi badi hasti hai.."
Mr. Rohit Verma, Production

सवार हुआ हूं जबसे वी.एन.आर की कस्ती में,
हर रोज महफिल सजती है अपनी ही बस्ती में
और क्या- क्या बयान करे राज, यहां के महौल में
बड़े बड़े काम हो जाते हैं मस्ती मस्ती में....
Mr. Raj Bairagi, Sales

Sales se hu Shivam.....outstanding target,
pura karne mai uljha rahta hu.
Na jane kab hogi VNR ki review meeting
Digha mai,ussi masti bhare
pal ke bare mai sochta rahta hu.
Mr. Shivam Dwivedi, Sales

संघर्ष में तो आशुतोष अकेला होता है,
मस्ती में तो दुनिया सब के साथ होती है,
जब जब मेरी वीएनआर पर ये जग हसा है,
तब तब मेरी वीएनआर ने इतिहास रचा है...
Mr. Ashutosh Verma, Production

VNR Ameena (Bastar Papai)

More than 300 farmers & buyers from CG, MH, MP, TS, AP, Delhi and others visited the two days event in Delhi and shared their valuable time & experience during the Papaya Crop Show. The buyers from South & North India elaborated on the marketing strategies for Ameena and ideas to make this crop economically stable for the farmers, buyers and consumers.

Dr. Jaiprakash (IARI, Pusa) marked his presence during the visit and shared many ideas from his more than 20 years of vast experience and expertise in crop.

In Bastar, CG the Ameena cultivation is touching the sky in Modern Agriculture. VNR Seeds participated as Gold Partners in the Fresh India Show, on 5th - 6th August at New Delhi.

Bastar Papai is a 100 % hermaphrodite seedling of papaya variety VNR Ameena which is now nurtured and maintained by HumDidi - a group of trial women farmers in Bastar. Small core of small family size papaya fruits makes these fruits heavy helping the farmers to get better yields vs the mixed crops of female and hermaphrodite plants. Hermaphrodite papaya is the standard table papaya across the world over and has better eating quality and extra sweetness. The special climatic conditions of Bastar make Bastar Papai even more sweeter. The harvest is ready to hit the market now, although practically this is suppose to be the “off season”.



Nursery



Training Programme on “Modern Trends in Citrus Production Technology” by ICAR-CCRI, Nagpur, Maharashtra



Team VNR Nursery visited ICAR-IIHR-CHES, Hirehalli, Tumkur, Karnataka, for learning an Avocado & Dragon Fruit



Horticulture Scientists & Officials from Rajasthan visited VNR R&D Centre.



Mr. Devesh Shukla (Business Head) visited CISH Lucknow, Uttar Pradesh for future prospects in Horticulture in presence of Dr. S. Rajan, Director, CISH

Promotional Activities



Chilli '**Sunidhi**' Field day at Sillod, Dist-Aurangabad, Maharashtra



Sponge Gourd '**Anita**' field day at Rahta, Maharashtra



Chilli '**Sunidhi**' field day at Village- Aamthana, Dist-Aurangabad, Maharashtra



Interaction with farmers at Kondagaon, Chhattisgarh

क्रिश ने बनाया मालामाल- कृषक अनिरुद्ध पंडित



खरगोन। ग्राम बिस्टान के कृषक अनिरुद्ध पंडित (मो. 9669885116) अपनी ककड़ी की फसल से ढेर सारा मुनाफा पाकर बेहद उत्साहित है। उन्होंने ग्रामदीप को बताया कि मई में 1.75 एकड़ जमीन पर वीएनआर सीड्स की क्रिश ककड़ी को लगाया था, जिससे मुझे बेहतर उत्पादन व श्रेष्ठ दाम प्राप्त हुआ है। मैंने इसके पूर्व इतने कम समय में कभी भी इतना लाभ किसी फसल में नहीं प्राप्त किया है। क्रिश ककड़ी का फल एकसमान आकार व वजन (118 से 100 ग्राम तक) चमकदार हरा रंग के आकर्षक फल प्राप्त हुआ। खाने में स्वादिष्ट व उत्पादन में सर्वोत्तम हैं। उन्होंने आगे बताया इस वैरायटी पर ज्यादा कीट प्रकोप भी नहीं हुआ। पूरे समय खेत हरा-भरा लहलहाता रहता है। यह अगेती किस्म है जिसकी प्रथम तुड़ाई 30 से 35 दिन में शुरू हो जाती है। मैंने जून माह के अंतिम तक (9,500 किलो) ककड़ी 16 से 18 रु. प्रति किग्रा विक्रय कर करीब डेढ़ लाख रु. मुनाफा कमा चुका हूँ। मैंने सभी किसान भाइयों की क्रिश ककड़ी लगाने की सलाह देता हूँ। वह कम समय में ज्यादा उत्पादन व लाभ देने में सक्षम वैरायटी है।



किसानों की पसंद व्हीएनआर कम्पनी के वैजिटेबल बीज

दरभंग हिन्दू संवाददाता टाटीझरिया : प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत अंतर्गत कई गांवों में वैजिटेबल वीएनआर बीज कम्पनी के टोएम आशीष सिंह के निर्देशानुसार कोविड-19 के संक्रमण से बचाव को देखते हुए समाजिक दूरी का पालन कर एमडीओ संदीप पाण्डेय, वासुदेव प्रसाद के द्वारा क्षेत्रों में डोर-टू-डोर किसानों से मिलकर व कम संख्या में संगोष्ठी कर अन्य सब्जो कर्मानियों 1560? के अपेक्षाकृत लागत में अच्छी पैदावार होने वाला वीएनआर सिड्स हायब्रिड प्राइवेट लिमिटेड सजक कम्पनी के बीज ट्याटर जूली, 3348, 3357, 3371, देवें, वाणीबीज समेत अन्य बीजो की वुआई से लेकर प्रथम फल तुड़ाई की अवधि, फलन क्षमता, एक टमाटर का वजन पाँचे में लगने वाले रोगों से बचाव, भंडारण लिए के लिए लगे कोय जागरूक किया। क्या कहते हैं किसान? किसानों ने कहा कि वीएनआर सोहस प्रा. लिमिटेड कम्पनी के तमाम हायब्रिड बीज बहुत ही पैदावार देने वाला है।



Ganesha Celebrations & Visarjan



ICAR-CCRI holds training programme to mark 75 yrs of India's independence

- ICAR-CCRI conducted training programme on 'Modern trends in Citrus Production Technology'
- It was meant for VNR Nursery staff and farmers associated with them

■ Staff Reporter

DURING its year round schedule to commemorate 75 years of India's independence, Indian Council of Agricultural Research (ICAR) - Central Citrus Research Institute (CCRI), Nagpur successfully conducted a training programme entitled 'Modern trends in Citrus Production Technology'.

The training programme was organised for VNR Nursery staff and farmers associated with them. In the welcome address, Dr Dilip Ghosh, Director, CCRI elaborated the dimensions of citrus R and D and successful intervention by the institute.



Director Dr Dilip Ghosh and others during training programme.

He also highlighted the gaps between demand and supply of quality planting material of citrus in India. Chief guest Dr B K Pandey, Assistant Director General (Horticulture Science), ICAR, New Delhi emphasized the need for modernisation in planting material production of horticultural crops in general and citrus in particular. He urged the private stakeholders to disseminate modern cultivation practices and other technologies developed by CCRI to get sustainable production of citrus crop. During the technical ses-

sion, lectures on citrus cultivators, disease-free planting material production, bahar treatment, nutrient and irrigation management, integrated disease and pest management and post-harvest management in citrus were dealt in detail by the eminent scientists of the institute.

Related practical sessions were also organised. A field visit to the orchard of progressive farmers and nursery was organised on the last day of training. Dr Ashutosh A Murkute, Coordinator of the training, managed the affairs of the programme as per schedule.

Farmer Success Story



Farmer Name - Aditya Rana	Mobile No. - 9060646902
Variety - Krish	Crop - Cucumber
Sowing area - 1 Acre	Sowing date - 10-04-2021
Row to row distance - 2 feet	Plant to plant distance - 1 feet
1st harvest picking - 16-05-2021	
Till date yield- 18.5 MT	
Total estimated yield - NA	Total expense - Rs. 55,000
Total estimated revenue - Rs. 1,48,000	Net income - Rs. 93,000
Address - Vill. Chutiyaro, Block-Sadar, District- Hazaribagh, Jharkhand	



Farmer Name - Mahabir Mahto	Mobile No - 9934357355
Variety - CU-2	Crop - Cucumber
Sowing area - 0.25 Acre	Sowing date - 07-03-2021
Row to row distance - 2 feet	Plant to plant distance - 1.5 feet
1st harvest picking - 20-04-2021	
Total date yield- 6.2 MT	
Total estimated yield -NA	Total expense - Rs. 14,500
Total estimated revenue - Rs. 68,200	Net income - Rs. 53,700
Address - Village - Bahri, Block-Sadar, District-Hazaribagh, Jharkhand	



Farmer Name - Bhoirab Kuiry	Mobile No - 6297813584
Variety - Janhvi	Crop - Okra (Bhindi)
Sowing area - 56 Decimal	Sowing date - 10-02-2021
Row to row distance - 50 cm	Plant to plant distance - 25 cm
1st harvest picking - 31-03-2021	
Till date yield- 5,940 kg	
Total estimated yield - 6,400 kg	Total expense - Rs. 13,000
Total estimated revenue - Rs. 71,000	Net income - Rs. 58,000
Address - Village & Post- Begunkodar, Block- Kotshila, Dist.- Purulia, West Bengal	

Photography Contest Entries - Monsoon Theme!



Ms. Arushi Dutta (HR)



Mr. Bommineni Vijay Chander Reddy (Sales)



Mr. Devendra .(R&D)



Ms. Ruchi (Marketing)



Mr. Kirti Ranjan Verma (PD)



Mr. Lalit Mohan (PD)